JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

हरियाणा में व्यवसायिक संरचना में मुख्य कार्यरत जनसंख्या की स्थिति – एक समीक्षा

लेखकः डॉ. दीपक कुमार,

सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग, अहीर कॉलेज, रेवाड़ी

सारांशः

यह अध्ययन हरियाणा के विभिन्न जिलों में कार्यरत जनसंख्या के वितरण का विश्लेषण करता है, जिसे चार श्रेणियों में विभाजित किया गया हैः कृषक, कृषि मजदूर, औद्योगिक कार्यकर्ता, और अन्य गतिविधियों में संलग्न लोग। इस विश्लेषण का उद्देश्य आर्थिक गतिविधियों की विविधता और रोजगार के स्वरूपों को समझना है। अध्ययन में पाया गया कि अंबाला, यमुनानगर, फरीदाबाद, और गुड़गांव जैसे जिलों में कृषक प्रतिशत 15 प्रतिशत से कम है, जो कृषि पर निर्भरता की कमी को दर्शाता है, जबकि हिसार और फतेहाबाद में यह 45 प्रतिशत से अधिक है। कृषि मजदूरों का प्रतिशत भी अलग–अलग है, पंचकूला और फरीदाबाद में 10 प्रतिशत से कम, जबकि कुरुक्षेत्र और कैथल में 22 प्रतिशत से अधिक है। औद्योगिक कार्यकर्ताओं का प्रतिशत अंबाला, यमुनानगर, और फरीदाबाद में 4 प्रतिशत से अधिक है, जबकि थानेसर और फतेहाबाद में 2 प्रतिशत से कम। अन्य गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत फतेहाबाद और थानेसर में 36 प्रतिशत से कम और अंबाला, पंचकूला, और फरीदाबाद में 66 प्रतिशत से अधिक है। यह अध्ययन दर्शाता है कि हरियाणा के जिलों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण विविधता है, जो क्षेत्र–विशिष्ट नीतियों और विकास योजनाओं की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

प्रस्तावना

हरियाणा राज्य, जो भारत के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित है, अपने विविध आर्थिक परिदृश्य के लिए जाना जाता है। यह राज्य न केवल कृषि में अग्रणी है, बल्कि उद्योग और सेवा क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य हरियाणा के विभिन्न जिलों में कार्यरत जनसंख्या के वितरण और उनकी आर्थिक गतिविधियों के स्वरूप का विश्लेषण करना है। हरियाणा की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर है, लेकिन विभिन्न जिलों में इस निर्भरता का स्तर भिन्न–भिन्न है। कुछ जिलों में, जैसे फरीदाबाद और

गुड़गांव, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण कृषि का महत्व कम हो गया है, जबकि हिसार और फतेहाबाद जैसे जिलों में कृषि अभी भी मुख्य आर्थिक गतिविधि है। इसके अलावा, कृषि मजदूरों की संख्या और उनका वितरण भी राज्य के भीतर अलग–अलग है, जो कृषि श्रम पर निर्भरता और औद्योगिक गतिविधियों के विकास के बीच संतुलन को दर्शाता है। औद्योगिक गतिविधियों की बात करें तो, हरियाणा के कुछ जिले, जैसे अंबाला और फरीदाबाद, औद्योगिकीकरण में अग्रणी हैं, जबकि अन्य जिलों में औद्योगिक विकास अपेक्षाकृत कम है। इसके साथ ही, अन्य गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत भी राज्य भर में विविध है, जो व्यापार, सेवाओं, और सरकारी नौकरियों में संलग्नता को दर्शाता है।

इस अध्ययन के माध्यम से, हरियाणा के विभिन्न जिलों में कार्यरत जनसंख्या के वितरण का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, जो नीतिगत निर्णयों और क्षेत्रीय विकास योजनाओं के लिए एक आधार प्रदान करता है। यह विश्लेषण राज्य के आर्थिक ढांचे की जटिलता और विभिन्न जिलों की आर्थिक प्राथमिकताओं को समझने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

शोध के उद्देश्यः

1. क्षेत्रीय आर्थिक संरचना का विश्लेषणः हरियाणा के विभिन्न जिलों में कार्यरत जनसंख्या के वितरण का अध्ययन करना और यह समझना कि कृषि, उद्योग, और अन्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्नता किस प्रकार भिन्न–भिन्न है।
2. कृषि निर्भरता का मूल्यांकनः उन जिलों की पहचान करना जहाँ की जनसंख्या मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है, और उन कारकों का विश्लेषण करना जो इन जिलों की कृषि प्रधानता को प्रभावित करते हैं।
3. औद्योगिक विकास का अध्ययनः उन जिलों का अध्ययन करना जहाँ औद्योगिक गतिविधियाँ प्रमुख हैं, और औद्योगिकीकरण के स्तर का निर्धारण करना।
4. अन्य आर्थिक गतिविधियों की पहचानः उन जिलों की पहचान करना जहाँ की जनसंख्या अन्य गतिविधियों, जैसे व्यापार, सेवा क्षेत्र, और सरकारी नौकरियों में संलग्न है, और इन गतिविधियों का राज्य की समग्र आर्थिक संरचना पर प्रभाव का विश्लेषण करना।
5. क्षेत्र–विशिष्ट नीतियों के लिए सिफारिशेंः अध्ययन के आधार पर, हरियाणा के विभिन्न जिलों के लिए क्षेत्र–विशिष्ट विकास नीतियों और योजनाओं की सिफारिश करना, जिससे राज्य के समग्र और संतुलित विकास को बढ़ावा मिल सके।

पद्धतिः

इस अध्ययन के लिए, 2011 की जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। विभिन्न जिलों में कार्यरत जनसंख्या का वर्गीकरण चार श्रेणियों में किया गयाः (1.) कृषक, (2.) कृषि मजदूर, (3.) औद्योगिक कार्यकर्ता, और (4.) अन्य गतिविधियाँ। इन श्रेणियों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत निकालने के लिए डेटा का विश्लेषण किया गया और इसके आधार पर जिलों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया गया। इस विधि से हरियाणा के विभिन्न जिलों में आर्थिक गतिविधियों की स्थिति का व्यापक विश्लेषण किया गया।

व्यवसायिक संरचना :–

हरियाणा में व्यवसायिक संरचना को निम्न प्रकार से स्पष्ट किया जा सकता है –

(क). मुख्य कार्यरत जनसंख्या :–

सन् 2011 की जनसंख्या के अनुसार मुख्य कार्यरत जनसंख्या से तात्पर्य ऐसी कार्यशील जनसंख्या से है जिसने एक वर्ष में 183 दिन से अधिक कार्य किया हो।

हरियाणा में मुख्य कार्यरत जनसंख्या को निम्न तालिका से समझा जा सकता है।

श्रेणी तालिका – 1

मुख्य कार्यरत जनसंख्या

क्र. सं.	**श्रेणी**	**मुख्य कार्यरत जनसंख्या**	**सम्मिलित जिले**
1	सबसे कम	25 प्रतिशत से कम	मेवात, पलवल, महेन्द्रगढ़।
2	कम	25 से 27 प्रतिशत	झज्जर।
3	मध्यम	27 से 29 प्रतिशत	अम्बाला, यमुनानगर, कैथल, करनाल, पानीपत, रोहतक, फरीदाबाद, रेवाड़ी, भिवानी, जींद, सोनीपत।
4	अधिक	29 से 32 प्रतिशत	कुरुक्षेत्र, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा।
5	सबसे अधिक	32 से अधिक	पंचकुला, गुरुग्राम।

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एबस्ट्रेक्ट के आँकडों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकलित।

उपरोक्त तालिका को देखने से स्पष्ट है कि हरियाणा में सबसे अधिक (32 से अधिक) मुख्य कार्यरत जनसंख्या पंचकुला व गुरुग्राम में पायी जाती है जहाँ उनका प्रतिशत क्रमशः 32.57, 32.19 है। अधिक कार्यरत जनसंख्या में कुरुक्षेत्र, हिसार, फतेहाबाद व सिरसा में शामिल किया गया है जो 29 से 32 प्रतिशत के मध्य पाया जाता है वहीं मध्यम कार्यरत जनसंख्या (27 से 29 प्रतिशत) में अम्बाला, यमुनानगर, कैथल, करनाल, पानीपत, रोहतक, फरीदाबाद, रेवाड़ी, भिवानी, जींद व सोनीपत जिलों को शामिल किया गया है। हरियाणा में कम कार्यरत जनसंख्या (25 से 27 प्रतिशत) केवल झज्जर जिले मे पाई जाती है वहीं सबसे कम (25 प्रतिशत से कम) कार्यरत जनसंख्या मेवात पलवल व महेन्द्रगढ जिलों में पायी जाती है। हरियाणा राज्य में मुख्य कार्यरत जनसंख्या का ओसत 27.67 प्रतिशत है।

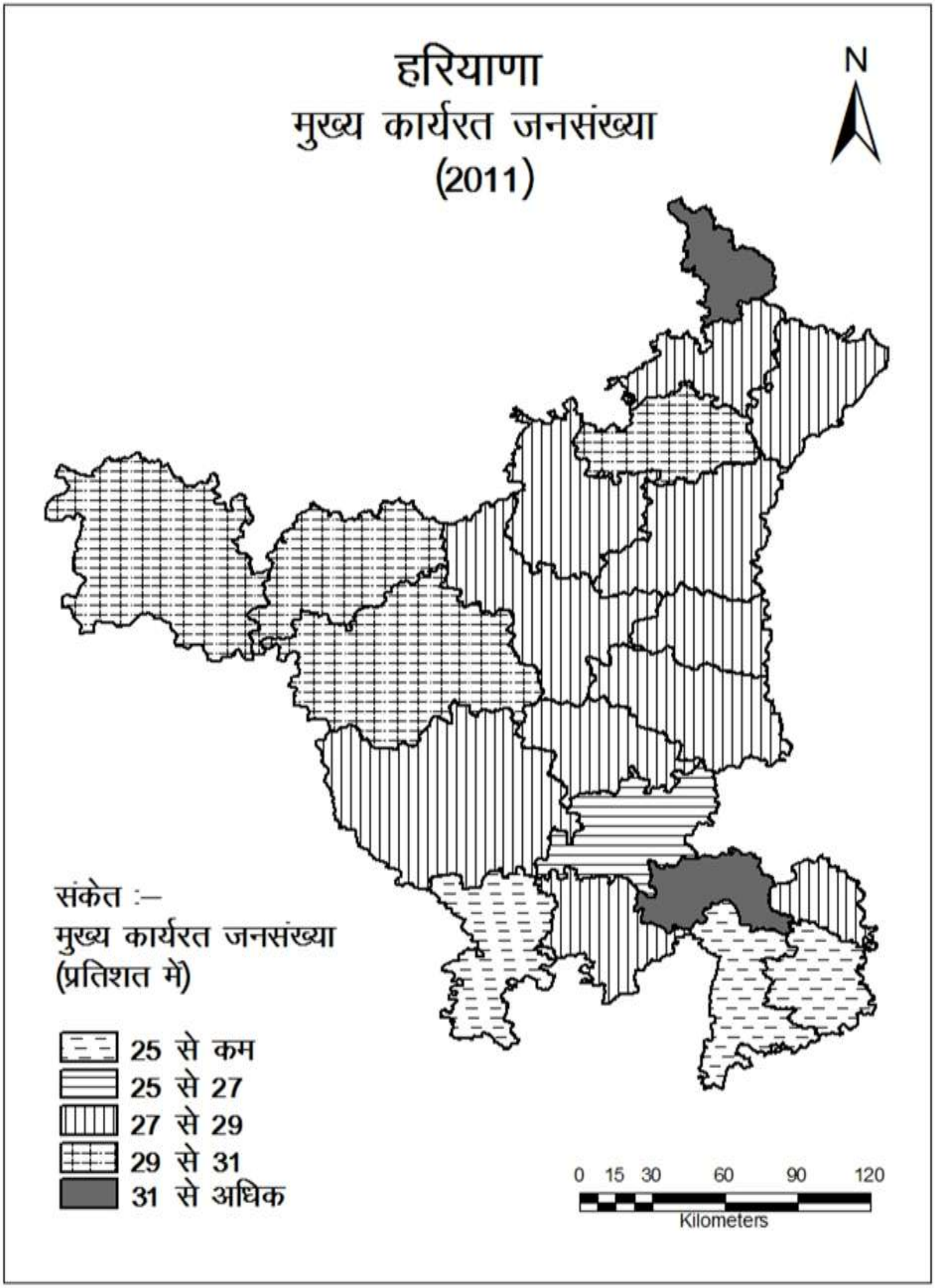

मुख्य कार्यरत जनसंख्या को चार भागों में बाँटा गया है –

(क). काश्तकार।

(ख). खेतिहर मजदूर।

(ग). पारिवारिक उद्योगो में लगे व्यक्ति।

(घ). अन्य क्रिया कलापों में लगे व्यक्ति।

उपरोक्त भागों का विस्तार से वर्णन निम्न प्रकार से है –

तालिका – 2

मुख्य कार्यरत जनसंख्या का वर्गीकरण।

क्र. सं.	जिले	काश्तकार (प्रतिशत में)	खेतीहर मजदूर (प्रतिशत में)	पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्ति (प्रतिशत में)	अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्ति (प्रतिशत में)
1	अम्बाला	14.2	15.4	4.2	66.2
2	पंचकुला	12.6	6.1	4.6	76.7
3	यमुनानगर	15.8	18.8	3.2	62.2
4	कुरुक्षेत्र	20.5	25.5	2.0	52.0
5	कैथल	34.2	22.9	2.5	40.4
6	करनाल	21.7	25.9	3.0	49.4
7	पानीपत	17.5	15.1	3.9	63.5
8	सोनीपत	27.2	19.4	3.5	49.9
9	रोहतक	27.7	10.6	2.4	59.3
10	झज्जर	34.4	13.8	2.8	49.0
11	फरीदाबाद	4.8	5.0	5.6	84.6
12	गुरुग्राम	10.3	5.0	3.3	81.4
13	पलवल	29.6	19.6	2.8	48.0
14	मेवात	36.0	19.0	2.0	43.0
15	रेवाड़ी	30.4	8.4	2.9	58.3
16	महेन्द्रगढ़	44.0	11.4	2.2	42.4
17	भिवानी	46.3	16.7	2.4	34.6
18	जींद	44.0	19.5	1.7	34.8
19	हिसार	37.8	20.9	2.3	39.0
20	फतेहाबाद	35.8	26.6	1.8	35.8
21	सिरसा	32.7	29.3	2.4	35.6
22	कुल औसत	27.8	17.1	3.0	52.1

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एबस्ट्रेक ऑफ हरियाणा, चण्ड़ीगढ़ (2013–14).

श्रेणी तालिका – 3

काश्तकार (2011)

क्र.स.	**श्रेणी**	**काश्तकार (प्रतिशत में)**	**सम्मिलित जिले**
1	कम	15 प्रतिशत से कम	अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम।
2	मध्यम	15 से 30 प्रतिशत	यमुनागर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक, पलवल।
3	अधिक	30 से 45 प्रतिशत	कैथल, झज्जर, मेवात, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ, जींद, हिसार, फतेहाबाद, सिरसा।
4	अत्यधिक	45 से अधिक	भिवानी।

स्त्रोत :– जनगणना के आँकडों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकलित।

(क). काश्तकार :–

सन् 2011 के अनुसार हरियाणा का औसत काश्तकार प्रतिशत 27.8 है सबसे कम (15 प्रतिशत से कम) काश्तकार प्रतिशत विशेष रुप से अम्बाला (14.2), पंचकुला (12.6), फरीदाबाद (4.8) व गुरुग्राम (10.3) जिले में पाया जाता हैं जबकी 15 से 30 प्रतिशत की श्रेणी के अन्तर्गत यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, रोहतक व पलवल आदि जिलों को शामिल किया जाता है। हरियाणा में कैथल, झज्जर, मेवात, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, जींद, हिसार, फतेहाबाद व सिरसा जिलों में काश्तकार प्रतिशत 30 से 45 के मध्य पाया जाता है। वहीं सबसे अधिक काश्तकार प्रतिशत भिवानी जिले में पाया जाता है जो 46.3 प्रतिशत है जबकी हरियाणा का औसत काश्तकार प्रतिशत 27.8 है। हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम, पंचकुला आदि जिलों में काश्तकारों के कम होने का प्रमुख कारण ये जिले प्रशासनिक व औद्योगिक है अर्थात हम कह सकते है की एक और हरियाणा के सबसे अधिक उद्योग गुरुग्राम व फरीदाबाद जिलों में ही लगे हुए है तो दूसरी और यहाँ पर खेती की जमीन कम हैं। काश्तकारों का सर्वाधिक प्रतिशत भिवानी जिले में पाया जाता है जो 46.3 है। ये ग्रामीण क्षेत्रों से अधिक जुड़ा हुआ है यहाँ पर अधिकांश व्यक्ति खेती पर ही निर्भर करते है इसलिए काश्तकार प्रतिशत सर्वाधिक पाया जाता हैं। हरियाणा में जिन जिलों में काश्तकार प्रतिशत कम पाया जाता है वहाँ अधिकांश जनसंख्या उद्योगों के साथ–साथ अन्य क्रियाकलापों की और अग्रसर हो रही है।

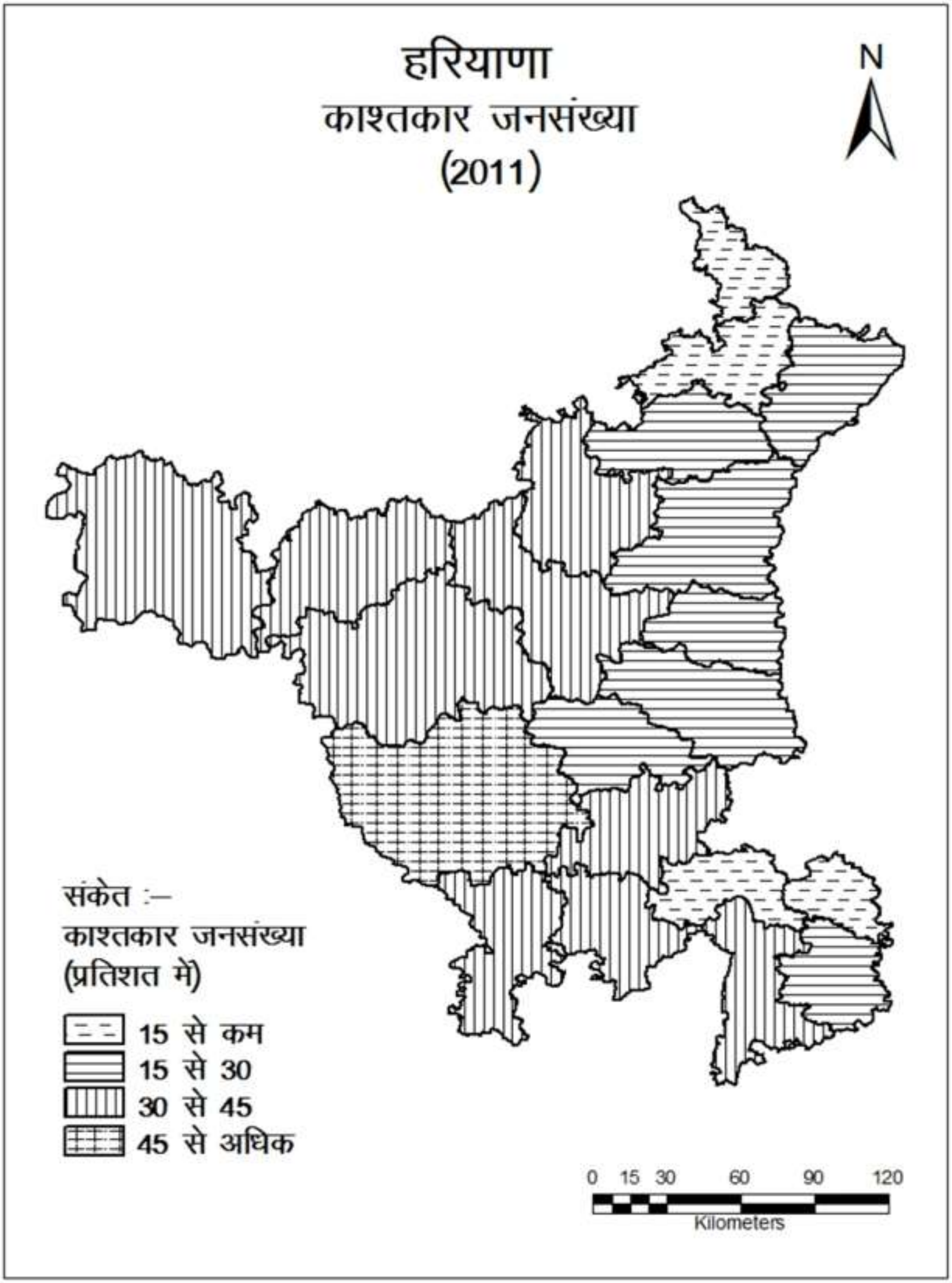
हरियाणा
काश्तकार जनसंख्या
(2011)
N
संकेत :–
काश्तकार जनसंख्या
(प्रतिशत में)
15 से कम
15 से 30
30 से 45
45 से अधिक
0 15 30 60 90 120
Kilometers

(ख). खेतीहर मजदूर :–

जो मनुष्य नकद जिन्स या बटाई के रुप में मजदूरी लेकर किसी दूसरे व्यक्ति के खेत में काम करता है वह खेतीहर मजदूर है।[8] खेतीहर मजदूर का जिलेवार प्रतिशत निम्न श्रेणी तालिका को देखने से स्पष्ट हो जाता है।

श्रेणी तालिका – 4

खेतीहर मजदूर (2011)

क्र.सं.	श्रेणी	खेतीहर मजदूर (प्रतिशत में)	सम्मिलित जिले
1	कम	10 से कम	पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रेवाड़ी।
2	मध्यम	10 से 16	अम्बाला, पानीपत, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़।
3	अधिक	16 से 22	यमुनानगर, सोनीपत, पलवल, मेवात, भिवानी, जींद, हिसार।
4	अत्यधिक	22 से अधिक	कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, फतेहाबाद, सिरसा।

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एब्सट्रेक्ट चण्डीगढ़ के आँकडों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकलित।

उपरोक्त श्रेणी तालिका को देखने से स्पष्ट है कि खेतीहर मजदूरों का सबसे कम प्रतिशत पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, व रेवाड़ी जिलों में क्रमशः 6.1, 5.0, 5.0, 8.4 प्रतिशत पाया जाता है वहीं हरियाणा में सबसे अधिक खेतीहर मजदूरी (22 से अधिक) कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, फतेहाबाद व सिरसा में क्रमशः 25.5, 22.9, 25.9, 26.6, 29.3 प्रतिशत पायी जाती है। उपरोक्त जिलों में जहाँ सबसे कम खेतीहर मजदूरी पायी जाती है। उसका मुख्य कारण उपरोक्त जिलों में औद्योगिक व प्रशासनिक कार्य अधिक होता है अधिकांशतः फरीदाबाद व गुरुग्राम जिलों में छोटे व बड़े उद्योगों की भरमार है। खेती के लिए जमीन बहुत ही कम है वहीं दूसरी और उपरोक्त तालिका में जहाँ सबसे अधिक खेतीहर मजदूरी पायी जाती है का प्रमुख कारण कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, फतेहाबाद, सिरसा आदि जिलों में कृषि सम्बन्धी कार्य का अधिक होना रहा है। अधिकांश जनसंख्या कृषि सम्बन्धी कार्यो में संलग्न है।

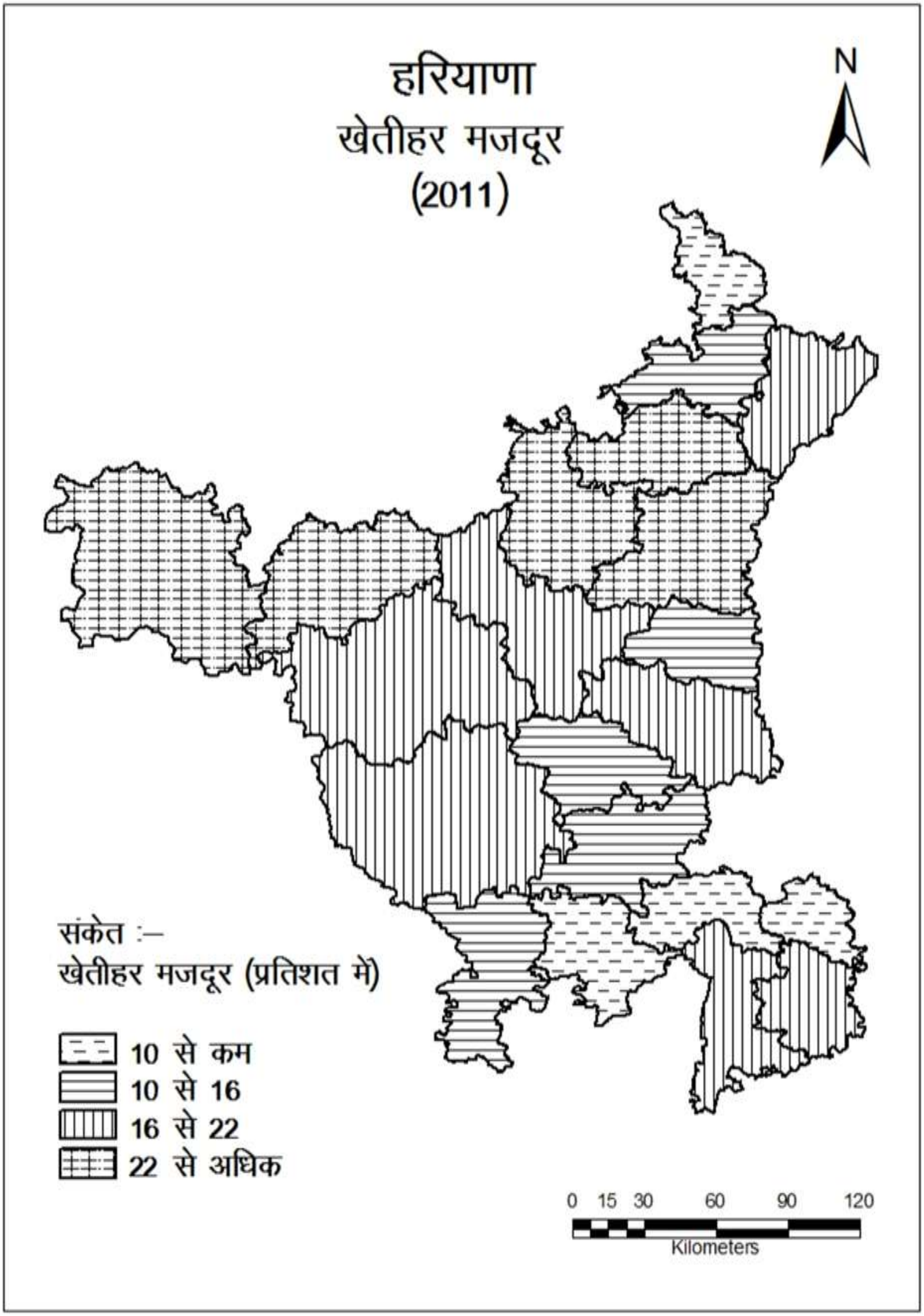
हरियाणा
खेतीहर मजदूर
(2011)
N
संकेत :–
खेतीहर मजदूर (प्रतिशत में)
10 से कम
10 से 16
16 से 22
22 से अधिक
0 15 30 60 90 120
Kilometers

मध्यम श्रेणी में (10 से 16 प्रतिशत) अम्बाला, पानीपत, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़ आदि जिलों को शामिल किया गया है जहाँ इनका प्रतिशत क्रमशः 15.4, 15.1, 10.6, 13.8, 11.4 पाया जाता है। अधिक की श्रेणी में यमुनानगर, सोनीपत, पलवल, मेवात, भिवानी, जींद, हिसार आदि जिलों में अधिक खेतीहर मजदूर को शामिल किया जाता है हरियाणा का औसत खेतीहर मजदूर प्रतिशत 17.1 है।

(ग). पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्ति :–

ये इस प्रकार के उद्योग होते है जहाँ परिवार के मुखिया द्वारा स्वयं या परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में घर पर या ग्रामीण सीमा के अन्दर और उस मकान के अहाते में जिसमें परिवार रह रहा है, चलाया जाता हैं।[9] हरियाणा का पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्तियों का औसत प्रतिशत 3.0 है।

श्रेणी तालिका – 5

पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्ति 2011

क्र.सं.	**श्रेणी**	**उद्योगों में लगे व्यक्तियों का (प्रतिशत में)**	**सम्मिलित जिले**
1	कम	2 से कम	जींद, फतेहाबाद
2	मध्यम	2 से 3 प्रतिशत	कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, रोहतक, झज्जर, पलवल, मेवात, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ, भिवानी, हिसार, सिरसा,
3	अधिक	3 से 4 प्रतिशत	यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत, गुरुग्राम
4	अत्यधिक	4 से अधिक	अम्बाला, पंचकुला तथा फरीदाबाद

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एब्सट्रेक्ट चण्डीगढ़ के आँकड़ों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकलित।

उपरोक्त श्रेणी तालिका को देखने से स्पष्ट है कि हरियाणा में पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्तियों का कम श्रेणी प्रतिशत (2 से कम) जींद, फतेहाबाद जिलों में पाया जाता है जहाँ उनका प्रतिशत क्रमशः 1.7 व 1.8 है। इसके अतिरिक्त हरियाणा के अम्बाला, पंचकुला तथा फरीदाबाद जिलों में पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्तियों का प्रतिशत सबसे अधिक क्रमशः 4.2, 4.6 व 5.6 है इस वृद्धि का प्रमुख कारण इन जिलों में रोजगार के अन्य साधनों की अपेक्षा अभी भी परम्परागत घरेलु व्यवसाय प्रगति पर हैं। हरियाणा के कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, रोहतक, झज्जर, पलवल, मेवात, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ, भिवानी, हिसार व सिरसा जिलों में

क्रमशः 2.0, 2.5, 3.0, 2.4, 2.8, 2.0, 2.9, 2.2, 2.4, 2.3 तथा 2.4 प्रतिशत मध्यम श्रेणी (2 से 3 प्रतिशत) में पारिवारिक उद्योगों में लगे व्यक्ति शामिल हैं वहीं अगर बात करे अधिक श्रेणी (3 से 4) प्रतिशत की तो इसमें हरियाणा के यमुनानगर, पानीपत, सोनीपत व गुरुग्राम जिलों को शामिल किया गया है। अत्यधिक श्रेणी में अम्बाला, पंचकुला तथा फरीदाबाद आदि जिलों को शामिल किया गया है।

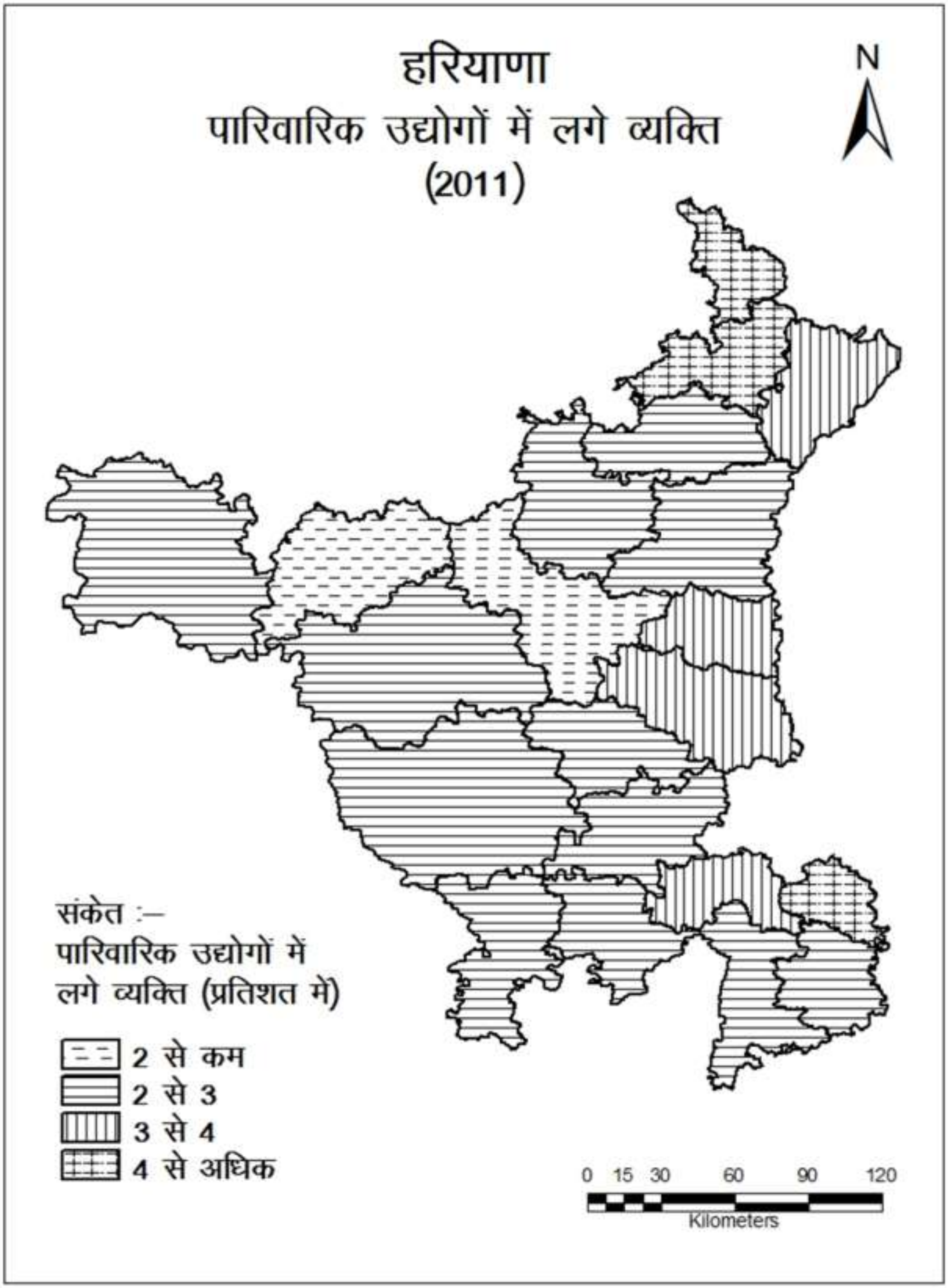

(घ). अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्ति :–

इसमें समस्त काम करने वाले वे लोग जो काश्तकार मजदूर, खेतहर तथा पारिवारिक उद्योगों में नहीं लगे हुऐ हैं तथा अन्य क्रियाकलापों में शामिल होते हैं जिसमें कारखाने, बागान, व्यापार, वाणिज्य, परिवहन, खनन एवं सभी सरकारी कर्मचारी आदि सम्मिलित है।[10] हरियाणा की कुल कार्यशील जनसंख्या में 52.1 प्रतिशत जनसंख्या अन्य क्रियाकलापों में शामिल है।

श्रेणी तालिका 6

अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्ति (2011)

क्र. सं.	श्रेणी	अन्य क्रियाकलापो में लगे व्यक्ति प्रतिशत में	सम्मिलित जिले
1	सबसे कम	36 से कम	भिवानी, जींद, फतेहाबाद, सिरसा
2	कम	36 से 46	कैथल, मेवात, महेन्द्रगढ, हिसार
3	मध्यम	46 से 56	कुरुक्षेत्र, करनाल, सोनीपत, झज्जर, पलवल
4	अधिक	56 से 66	यमुनानगर, पानीपत, रोहतक, रेवाड़ी
5	सबसे अधिक	66 से अधिक	अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद, गुरुग्राम

स्त्रोत :– स्टेटिस्टीकल एब्सट्रेक्ट चण्डीगढ़ के आँकड़ों के आधार पर स्वयं द्वारा परिकलित।

हरियाणा के निवासी (34.6), जींद (34.8), फतेहाबाद (35.8) तथा सिरसा (35.6) जिलों में अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्तियों का प्रतिशत 36 से कम है इसका मुख्य कारण इन जिलों में बड़े उद्योग व बड़ी फक्ट्रियाँ नहीं हैं अधिकांश लोग व्यापार, परिवहन व सरकारी कर्मचारी के रुप में कार्यरत है तथा साथ अन्य श्रेणी के छोटे–छोटे कार्यो में संलग्न है जिसमें बागवानी भी शामिल हैं। दूसरी और हरियाणा के कैथल, मेवात, महेन्द्रगढ व हिसार जिलों में अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्तियों को कम श्रेणी (36 से 46) में शामिल किया गया है। अम्बाला, पंचकुला, फरीदाबाद व गुरुग्राम हरियाणा के ऐसे जिले है जहा अन्य क्रियाकलापों में लगे व्यक्तियों की संख्या का अत्यधिक (66 से अधिक) प्रतिशत पाया जाता है। एक और जहाँ पंचकुला एक प्रशासनिक नगर के रुप में है तो दूसरी और फरीदाबाद व गुरुग्राम में बड़े–बड़े औद्योगिक प्लांट हैं व मारुति उद्योग स्थापित हैं जो हजारों लोगो को रोजगार उपलब्ध करवाते है साथ ही अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पानियाँ भी इन जिलों की और आकृषित हुई है। गुरुग्राम में मोटरगाडियों के पुर्जे, घडियाँ, दवाइयाँ, सीसे का सामान, प्रेशर कुकर, कटलरी, टायर, चीनी मिट्टी के बर्तन आदि का समान बनाने के उद्योग भी विकसीत है इसीलिए अधिकांश जनसंख्या इन्ही छोटे–बड़े उद्योगों में कार्य करती है। गुरुग्राम की 81.4 प्रतिशत जनसंख्या अन्य

क्रियाकलापों में लगी हुई है वहीं दूसरी और फरीदाबाद में 84.6 प्रतिशत जनसंख्या अन्य क्रियाकलापों में शामिल हैं फरीदाबाद में लगभग 10000 लघु उद्योग है जिसमें रबड के टायर, ट्रैक्टर, मोटरसाईकिल, रेफ्रीजरेटर, मिट्टी के बर्तन, बिजली के सामान, घडियाँ आदि अनेक प्रकार के उद्योग विकसीत है जहाँ पर बहुतायत में जनसंख्या अपने रोजगार के साधन के रुप में कार्य करती है।

निष्कर्ष

हरियाणा के जिलों में आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण विविधता को दर्शाता है। अंबाला, फरीदाबाद, और गुड़गांव जैसे जिलों में कृषक और कृषि मजदूरों का प्रतिशत कम है, जो शहरीकरण और औद्योगिक विकास की ओर इशारा करता है। फतेहाबाद और कैथल जैसे जिलों में कृषक और कृषि मजदूरों का प्रतिशत अधिक है, जो इन क्षेत्रों की कृषि पर निर्भरता को दिखाता है। औद्योगिक गतिविधियों में संलग्न लोगों का उच्च प्रतिशत अंबाला और फरीदाबाद में है, जबकि फतेहाबाद और थानेसर में यह कम है। अन्य गतिविधियों में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में सबसे अधिक है, जो सेवा और व्यापारिक क्षेत्रों की प्रधानता को दर्शाता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. भारत की जनगणना, (2011).
2. हरियाणा का सांख्यिकीय सारांश, 2013.14:
3. हरियाणा सरकार, आर्थिक सर्वेक्षण:
4. जिला सांख्यिकीय सारांश हरियाणा (2011).
5. हरियाणा सांख्यिकीय सारांश चण्ड़ीगढ़ (2016–17).
6. सेन्सस ऑफ इन्ड़िया (2011).
7. रिसोर्स एटलस ऑफ हरियाणा (2004) आजाद हिन्द स्टोर (प्रा.) लि. चण्ड़ीगढ़ पृ. 42–45.